Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

Name of faculty: Humanities

मानव्य विद्याशाखा

CBCS & NEP - 2020 Syllabus

चयनाधारित श्रेयांक पद्धति एवं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के नुसार पाठ्यक्रम

Name of the Course

Hindi B. A. Part - II Sem. - IV

हिंदी बी. ए. भाग - 2 सत्र - 4

Papers

प्रश्नपत्र

DSC, Minor, GE/OE, VSC, SEC, AEC-L2 (MIL), CEP

B.A.-II Year, Semester- IV

बी. ए. व्दितीय वर्ष हिंदी, सत्र – चतुर्थ

(Choice Based Credit- System)

सी. बी. सी. एस. प्रणाली के अनुसार

National Education Policy - 2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020

शै. वर्ष- 2025-26 से

Level	Code	Title of the paper and code	Semester Exam.			Credit	Lectures	Total Com. Credit-s	Degree
5.0	Sem.- IV		Theory		Total				
	G03	Major Mandatory	U.A.	C.A.	100				
	DSC-5	हिंदी पद्य साहित्य एवं व्याकरण, DSC5-0401	60	40	100	4.0	60	4.0	3 Years
	DSC-6	भाषा विज्ञान, DSC6-0402	60	40	100	4.0	60	4.0	
	Minor-4	आधुनिक हिंदी गद्य एवं वाणिज्य पत्राचार	60	40	100	4.0	60	4.0	
	GE/OE	साहित्य और सिनेमा	30	20	50	2.0	30	2.0	
	VSC-II	पत्राचार एवं संदर्भ स्रोत	30	20	50	2.0	30	2.0	
	SEC	समाचार लेखन	30	20	50	2.0	30	2.0	
	AEC-L2 (MIL)	आधुनिक भारतीय भाषा हिंदी	30	20	50	2.0	30	2.0	
	CEP	सामाजिक प्रतिबद्धता	00	50	50	2.0	30	2.0	
		Total				20.0	300	22.0	

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **B. A.– II (Hindi), Semester - IV** **Vertical : DSC – 5** **Course Code: G03** **Course Name:** Hindi **Title of Paper: हिंदी पद्य साहित्य एवं व्याकरण**

***Teaching Scheme** **Lectures: 60 Hours, 04 Credits** **OR** **Practical: 00 Hours, 00 Credit**	**With effect from June – 2025**	***Examination Scheme** **UA:- 60 Marks** **CA:- 40 Marks**

प्रस्तावना / Preamble

भारतीय जनमानस की वैचारिक धरोहर आध्यात्म के आधार पर पल्लवित हुई दिखाई देती है। भारतीयता की व्याख्या में आध्यात्म एवं दार्शनिक पहलु अनायास ही प्रतिबिंबित होते है। अतः भारतीय समाज एवं संस्कृति के अध्ययन में संत कवि एवं समाज सुधारकों का अमिट प्रदेय पाया जाता है। मध्यकालीन संत साहित्य के अध्ययन से तत्कालीन समाज की संरचना को अधोरेखित किया जा सकता है। भक्तिकाल का संत साहित्य लोक कल्याण एवं लोक जागरण की वाणी लेकर मुखरित हुआ । इस काल की साहित्यिक रचनाओं के कारण भारतीय समाज की भावनात्मकता, आध्यात्मिकता तथा सांस्कृतिकता को बल प्राप्त हुआ दिखाई देता है। रीतिकालीन काव्य श्रृंगार एवं वीरता से समृद्ध है। तत्कालीन समाज में उभरी स्थितियाँ भारतीय जनमानस की गौरवशाली परंपरा को उद्घाटित करती है। साथ ही भाषाई परिवर्तन के माहौल में हिंदी की व्याकरणिक स्थितियों को समझना भी क्रम प्राप्त है। अतः इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु 'हिंदी पद्य साहित्य एवं व्याकरण' यह प्रश्नपत्र स्नातक स्तर के छात्रों के लिए महत्त्वपूर्ण है।

<u>पाठ्यक्रम के उद्देश्यः</u> (Objective of the Course)

1. छात्रों को मध्ययुगीन सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक स्थितियों से अवगत कराना।
2. निर्गुण तथा सगुण काव्यधाराओं के माध्यम से तत्कालीन समाज की अवस्था से अवगत कराना।
3. रीतिकालीन काव्य के माध्यम से श्रृंगार एवं वीर रस की महत्ता से अवगत कराना।
4. समाज सुधार में मध्ययुगीन संत कवियों के प्रदेय को उद्घाटित करना।

पाठ्यक्रम सिखाने के परिणाम : (Course Outcome)

1. छात्र मध्ययुगीन सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक स्थितियों से अवगत होगे।
2. निर्गुण तथा सगुण काव्यधाराओं के माध्यम से तत्कालीन समाज की अवस्था से अवगत होगे।
3. रीतिकालीन काव्य के माध्यम से श्रृंगार एवं वीर रस की महत्ता से अवगत होगे।
4. समाज सुधार में मध्ययुगीन संत कवियों के प्रदेय से अवगत होगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया : (Teaching Learning Process)

1. कक्षा व्याख्यान
2. गृह स्वाध्याय
3. समूह चर्चा
4. काव्य पाठ

अध्यानार्थ पाठ्य पुस्तक : मध्ययुगीन काव्यधारा , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली

<u>अध्ययनार्थ विषय</u> **Weightage / बल**

इकाई- 1 मध्ययुगीन हिंदी काव्य की पृष्ठभूमि **Credit 1, Lectures-15**

1) मध्ययुगीन हिंदी काव्यधाराओं का संक्षिप्त परिचय **Marks - 15**
2) मध्ययुगीन हिंदी काव्य का महत्व
3) मध्ययुगीन हिंदी काव्य की विशेषताएँ

इकाई- 2 मध्ययुगीन हिंदी संत कवि **Credit 1, Lectures-15**

1) कबीर – 10 दोहे **Marks - 15**
2) नामदेव - 5 पद
3) संत तुकाराम – 05 पद

इकाई- 3 मध्ययुगीन हिंदी कवि **Credit 1, Lectures-15**

1) घाघ – 10 कहावतें **Marks - 15**
2) रहीम – 10 दोहे
3) बिहारी – 10 दोहे

इकाई- 4 व्याकरण **Credit 1, Lectures-15**

1) मानक वर्तनी के नियम **Marks – 15**
2) विराम चिह्न
3) प्रूफ शोधन चिह्न

<u>संदर्भ-ग्रंथ सूचीः-</u>

1. आ.रामचंद्र शुक्ल, जायसी ग्रंथावली - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. डॉ.भगवानदास तिवारी, संक्षिप्त भूषण - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी, कबीर – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. रामधारी सिंह 'दिनकर', काव्य की भूमिका – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. मैनेजर पांडये, भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. भूषण – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. आबिद रिजवी, रहीम के दोहे – मनोज प्रकाशन, दिल्ली
8. प्रभाकर सदाशिव 'पंडित', महाराष्ट्र के संतों का हिंदी काव्य, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ

9. संपा. पं. हरिहरप्रसाद त्रिपाठी, घाघ और भड्डुरी की कहावतें, बिंदेश्वरी प्रसाद बुक्सेलर, बनारस
10. आचार्य विनायमोहन शर्मा, हिंदी को मराठी संतों की देन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
11. प्रभाकर माचवे, हिंदी और मराठी का निर्गुण संत-काव्य, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
12. डॉ.अशोक कामत, मराठी संतों की हिंदी वाणी,
13. घाघ और भड्डुरी की कहावतें-सं. पंडित हरिप्रसाद त्रिपाठी, बिंदेश्वरी प्रसाद, बुक सेलर्स, बनारस

<u>वेब संदर्भ</u> (इंटरनेट)

1. **https://hi.wikipedia.org/wiki/bhaktikal**
2. Google Search – Hindi Vyakaran

<u>प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
2. लघुत्तरीप्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (6 में से 4) (इकाई क्र. IV पर)	(12 अंक)
3. टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
	कुल अंक = 60

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **B. A.– II (Hindi), Semester –IV** **Vertical :** DSC - 6 **Course Code: G03** **Course Name:** Hindi **Title of Paper: भाषा विज्ञान**	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 60 Hours, 04 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June – 2024	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना / Preamble

मन और मस्तिष्क की संयुक्त प्रक्रिया से उत्पन्न विचारों की मौखिक प्रकट अभिव्यक्ति भाषा है। भाषा प्रतीकात्मक होती हैं, जिसके द्वारा मानव अपने विचार दूसरों पर प्रकट करता है। उस वैचारिक आदान-प्रदान की प्रक्रिया का वैज्ञानिक अध्ययन करने की विशिष्ट पध्दति भाषाविज्ञान है। भाषाविज्ञान को कंपरेटीव ग्रामर, कंपरेटीव फिलालोजी आगे चलकर फिलालोजी तथा लिंग्विस्टिक्स नाम दिए गए। आधुनिक समय में भाषाविज्ञान, भाषाशास्त्र, भाषा विचार, भाषालोचन तथा तुलनात्मक भाषाविज्ञान आदि नाम दिए गए। भाषा वैज्ञानिक दृष्टि से अध्ययन करने की प्रक्रिया भाषाविज्ञान है। भाषा की उत्पत्ति, गठन, प्रकृति एवं विकास आदि की सम्यक व्याख्या करते हुए सिध्दांतों का निर्धारण भाषाविज्ञान करता है। भाषा के रूप में ध्वनि का उच्चारण, संवहन और श्रवण की प्रक्रिया से मनुष्य अनभिज्ञ है।इसे जानने के लिए मनुष्य की जिज्ञासा निरंतर बनी हुई है। इस जिज्ञासा की पूर्ति भाषाविज्ञान करता है। भाषाविज्ञान की अनुप्रयुक्तता विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में भी दिखाई देती है। उसीके सहारे आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे संसाधनों का विकास होता हुआ दिखाई दे रहा है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य/ (Objective of the Course)

1. भाषा के प्रति वैज्ञानिक दृष्टि प्रदान कराना।
2. भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय कराना।
3. ध्वनि उच्चारण की शुध्दता एवं प्रक्रिया से परिचित कराना।
4. पद और अर्थ से परिचित कराना।
5. संगणकीय भाषा विज्ञान का परिचय कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम: / (Course Outcome)

1) छात्रों में भाषा के प्रति वैज्ञानिक दृष्टि विकसित होंगी।
2) भाषा विज्ञान से परिचित होंगे।
3) ध्वनि उच्चारण की शुध्दता एवं प्रक्रिया से परिचित होंगे।
4) पद और अर्थ से परिचित होंगे।
5) संगणकीय भाषा विज्ञान से परिचित होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया: (Teaching Learning Process)

1. कक्षा व्याख्यान
2. गूट चर्चा
3. भाषा प्रयोगशाला कार्य

अध्ययनार्थ विषय - **Weight age / बल**

इकाई- 1: भाषा विज्ञान **Credit-1 Lecture-15**

1. भाषा विज्ञानः- परिभाषा एवं स्वरुप **Marks - 15**
2. भाषा विज्ञानः- नामकरण
3. भाषा विज्ञानः- उपयोगिता

इकाई- 2: ध्वनि विज्ञान और पद विज्ञान **Credit-1 Lecture-15**

1. ध्वनि विज्ञान – ध्वनि का अर्थ एवं परिभाषा **Marks - 15**
2. ध्वनि यंत्र और उसकी कार्यप्रणाली (उच्चारण प्रक्रिया),
3. पदविज्ञानः- शब्द और पद, संबंध तत्व के प्रकार

इकाई- ३ : वाक्य विज्ञान **Credit-1 Lecture-15**

1. वाक्य की परिभाषा **Marks - 15**
2. वाक्य की आवश्यकताएँ
3. अर्थ और रचना की दृष्टि से वाक्य के प्रकार

इकाई- 4 : अर्थ विज्ञान **Credit-1 Lecture-15**

1. अर्थ विज्ञानः- परिभाषा एवं स्वरूप **Marks – 15**
2. अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ
3. अर्थ परिवर्तन के प्रमुख कारण

संदर्भ ग्रंथ :-

1) भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
2) हिंदीः उद्भव, विकास और रूप -डॉ. हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहबाद
3) भाषा और भाषा विज्ञान -तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन,कानपुर
4) भाषा विज्ञान - डॉ.अंबादास देशमुख, आरती प्रकाशन, औरंगाबाद

<u>प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

प्रश्न 1. बहु विकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (6 में से 4 पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
प्रश्न 3. टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
प्रश्न 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)

कुल अंक = 60

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**PunyashlokAhilyadeviHolkar Solapur University, Solapur** **B. A.– II (Hindi), Semester - IV** **Vertical :** Minor - 4 **Course Code: G03** **Course Name:** Hindi **Title of Paper: आधुनिक हिंदी गद्य एवं वाणिज्य पत्राचार**	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 60 Hours, 04 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June – 2025	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना / Preamble

हिंदी का गद्य साहित्य विषय वैविध्य की दृष्टि से काफी समृद्ध रहा है। वर्तमान की विभिन्न परिस्थितियों एवं समस्याओं का चित्रण करना इसका मुख्य उद्देश्य रहा है। हिंदी गद्य साहित्य वैविध्यपूर्ण है, जिसमें उपन्यास, नाटक, कहानी, एकांकी, आत्मकथा, जीवनी के साथ-साथ संस्मरण, रेखाचित्र, पत्र, डायरी, यात्रा-वर्णन, रिपोर्ताज, साक्षात्कार आदि गद्येतर विधाएँ बहुचर्चित हो रही है। इस काल की कुछ ऐसी ही चर्चित रचनाओं का अध्ययन किए बिना इस काल के गद्य साहित्य का साहित्यिक मूल्यांकन करना उचित नहीं लगता। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में इन्हीं गद्य विधाओं को अध्ययन के लिए रखा है। इन रचनाओं के माध्यम से छात्रों में मानवी मूल्यों के प्रति सजगता बढ़ने में सहायता होगी साथ ही सामाजिक समस्याओं का चित्रण करनेवाली कुछ रचनाओं को सम्मिलित करने का मुख्य उद्देश्य रहा है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. छात्रों को हिंदी गद्य साहित्य से परिचित कराना।
2. छात्रों में गद्य साहित्य के प्रति अभिरुचि और समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।
3. छात्रों में साहित्यिक एवं मानवीय मूल्य विकसित करना।
4. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पना शीलता को बढ़ावा देना।

पाठयक्रम सीखने के परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. छात्र हिंदी गद्य साहित्य से परिचित होगे।
2. छात्रों में गद्य साहित्य के प्रति अभिरुचि और समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।
3. छात्रों में साहित्यिक एवं मानवीय मूल्यों का विकास होगा।
4. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पना शीलता को बढ़ावा मिलेगा।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान ।
2. सामूहिक चर्चा।
3. गद्यकार और गद्य विधाओं पर कक्षा संगोष्ठी आयोजन।

अध्ययनार्थ विषय – **Weightage / बल**

इकाई – I **Credit 1 Lectures – 15**

1. पूस की रात (कहानी) - प्रेमचंद **Marks - 15**
2. पगडंडियों का जमाना (निबंध) - हरिशंकर परसाई
3. बचाओ, मुझे डॉक्टरों से बचाओ (एकांकी) - शंकर पुणतांबेकर

इकाई – II **Credit 1 Lectures – 15**

1. हिंगवाला (रेखाचित्र) - सुभद्रा कुमारी चौहान **Marks - 15**
2. अपने-अपने पिंजरे (आत्मकथा अंश) - मोहनदास नैमिश राय
3. सबिया (संस्मरण) - महादेवी वर्मा

इकाई – III **Credit 1 Lectures – 15**

1. संसार पुस्तक है (पत्र) - पं. जवाहरलाल नेहरू **Marks - 15**
2. साहसिक काम की कीमत चुकानी होगी (साक्षात्कार)– गोरख थोरात की भालचंद्र नेमाडे से बातचित
3. बहता पानी निर्मला (यात्रा-वर्णन) - अज्ञेय

इकाई - IV वाणिज्य पत्राचार **Credit 1 Lectures – 15**

1. पूछताछ पत्र **Marks - 15**
2. क्रयादेश पत्र
3. भुगतान पत्र

संदर्भ:-

1. हिंदी कहानी का विकास (भाग – 1 और 2) – गोपाल राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
3. हिंदी कहानी का इतिहास – डॉ. गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. अपने अपने पिंजरे- मोहनदास नैमिशराय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. पिता के पत्र पुत्री के नाम- पं. जवाहरलाल नेहरू
6. इंडिया टुडे- साहित्यिक वार्षिकी 2019
7. हिंदी का यात्रा साहित्य – विश्वमोहन तिवारी, आलेख प्रकाशन, नवीन शहादरा, दिल्ली - 110032
8. डॉ. अंबादास देशमुख – प्रयोजनमूलक हिंदी : आधुनातन आयाम - शैलजा प्रकाशन, कानपूर
9. डॉ. के. पी. शहा मेहता - व्याहारिक पत्रलेखन, पब्लिशिंग हाऊस, पुणे

<u>प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

प्रश्न 1. बहु विकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
प्रश्न 2. लघुत्तरीप्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (6 में से 4) (इकाई 4 पर) (12 अंक)
प्रश्न 3. टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
प्रश्न 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 60

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **B. A.– II (Hindi), Semester - IV** **Vertical : GE / OE** **Course Code: G03** **Course Name:** Hindi **Title of Paper: हिंदी साहित्य और सिनेमा**	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 30 Hours, 02 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June – 2025	***Examination Scheme** **UA:-** 30 Marks **CA:-** 20 Marks

प्रस्तावना / Preamble

जीवन व कला का संबंध पुरातन रहा है। सिनेमा यह मानव जीवन को प्रतिबिंबित करने का प्रभावी माध्यम एवं लोकप्रिय कला है। साहित्य में अभिव्यक्त मानवी जीवन, मानवीय संबंध, मन - मस्तिष्क, शिक्षा, कला, संस्कृति, इतिहास, राजनीति आदि विभिन्न विषयों को शिक्षित के साथ अशिक्षित तक प्रेषित करने का बड़ा कार्य सिनेमा द्वारा हुआ है। मानवी जीवन पर सिनेमा का प्रभाव सिनेमा के अवतरण से वर्तमान समय तक लक्षणीय रहा है। साहित्य व सिनेमा का संबंध, कलात्मक अभिव्यक्ति, सामाजिक पहलू, साहित्यकृति का सिनेमा रूपांतरण आदि अध्ययन विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है। इनसे विद्यार्थी परिचित हो; इस दृष्टि से यह पाठ्यक्रम निर्धारित किया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. साहित्यिक कृति और सिनेमा से छात्रों को परिचित कराना।
2. साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा का अध्ययन कराना।
3. साहित्य और सिनेमा के माध्यम से समाज के पहलुओं का अध्ययन कराना।
4. छात्रों को साहित्यिक कृति और सिनेमा की कलात्मक अभिव्यक्ति को समझाना ।

पाठयक्रम सीखने के परिणाम / Course Outcomes

1. साहित्यिक कृति और सिनेमा से छात्र परिचित होंगे।
2. साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा का छात्र अध्ययन करेंगे।
3. साहित्य और सिनेमा के माध्यम से समाज के पहलुओं का अध्ययन करेंगे।
4. छात्र साहित्यिक कृति और सिनेमा की कलात्मक अभिव्यक्ति को समझेंगे ।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सिनेमा अनुभव
3. सिनेमा पर चर्चा

अध्ययनार्थ विषय - **बल / Weightage**

इकाई – I सिनेमा रूपांतरण : सैद्धांतिक अध्ययन **Credit 1 Lectures-15**

1. साहित्य कृति और सिनेमा रूपांतरण का सैद्धांतिक विवेचन **Marks - 15**
2. साहित्य और सिनेमा का संबंध
3. सिनेमा रूपांतरण की प्रक्रिया

इकाई - II साहित्यिक कृतियों के सिनेमा रूपांतरण का अध्ययन **Credit 1 Lectures-15**

1. रजनी गंधा – निर्देशक : बासु भट्टाचार्य, कृति – मन्नू भंडारी (यही सच है) **Marks - 15**
2. तीसरी कसम - निर्देशक : बासु भट्टाचार्य, कृति – फणीश्वर नाथ 'रेणु' (मारे गये गुलफाम)

संदर्भ:-

1. सिनेमा और फिल्मांतरित हिंदी साहित्य- डॉ. गोकुल क्षिरसागर, विकास प्रकाशन कानपुर
2. सिनेमा का कल और आज – विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय सिनेमा एक अनंतयात्रा – प्रसून सिन्हा, नटराज प्रकाशन, दिल्ली
4. सिनेमा समकालीन सिनेमा – अजय ब्रह्मात्मज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

<u>प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

प्रश्न 1) बहुविकल्पी 06 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(06 अंक)
प्रश्न 2) लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(06 अंक)
प्रश्न 3) टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(06 अंक)
प्रश्न 4) दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)

कुल अंक = 30

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur B. A.– II (Hindi), Semester – IV Vertical : VSC - II Course Code: G03 Course Name: Hindi Title of Paper: **पत्राचार एवं संदर्भ स्रोत**	
*Teaching Scheme **Lectures:** 30 Hours, 02 Credits OR **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	With effect from June – 2025	*Examination Scheme **UA:-** 30Marks **CA:-** 20 Marks

प्रस्तावना / Preamble

प्रयोजनमूलक हिंदी एक कार्यालयींन हिंदी से संबधित पाठ्यक्रम है। राजभाषा हिंदी, प्रशासन और कार्यालय की भाषा के रूप में विकसित हुई। सूचना प्रौद्योगिकी के रूप में इसका महत्व और प्रासंगिकता अधिक बढ़ गयी है। हिंदी भाषा जनसंचार माध्यमों में निरंतर नए आयामों को उद्घाटित कर रही है परंपरागत संदर्भ स्रोतों के सिवा अब भाषा और लिपि के नए संसाधन भी विकसित हो रहे हैं। हिंदी भाषा के इस प्रयोजनमूलक रूप का और उसके विविध आयामों का अध्ययन महत्वपूर्ण है। हिंदी वैश्वीकरण के युग में विश्वमंच पर हिंदी की स्वीकार्यता को देखकर हर क्षेत्र में सरकारी कार्यालय, जनसंचार माध्यम तथा शैक्षिक संस्थानों में सभी जगह पर हिंदी माध्यमों में कार्यरत कुशल व्यक्ति की आवश्यकता है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए व्यावहारिक एवं कार्यालयीन हिंदी का पाठ्यक्रम प्रयोजनमूलक हिंदी के रूप में तैयार किया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course Objectives

1. कार्यालयीन पत्राचार से छात्रों को अवगत कराना।
2. प्रयोजनमूलक हिंदी के माध्यम से रोजगारपरक कौशल विकसित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. छात्र कार्यालयीन पत्राचार के स्वरूप से परिचित होगे।
2. छात्रों में रोजगारपरक कौशल विकसित होगा।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching-Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. कार्यालयीन पत्रलेखन
4. हिंदी के रोजगारपरक क्षेत्र को भेंट

अध्ययनार्थ इकाइयाँ **Weightage / बल**

इकाई - I पत्राचार **Credit – 1 Lectures – 15**
Marks - 15

1. पत्राचार: स्वरूप
2. पत्राचार: प्रकार
3. नौकरी के लिए आवेदन पत्र
4. पदाधिकारियों के नाम पत्र

इकाई - II संदर्भ स्रोत **Credit – 1 Lectures – 15**
Marks - 15

1. कोश ग्रंथ: सामान्य परिचय
2. ई-संदर्भ: विकिपीडिया, ई-समाचार, ब्लॉग लेखन का सामान्य परिचय
3. हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ: सामान्य परिचय
4. हिंदी पोर्टल और वेबसाइट: सामान्य परिचय

संदर्भ ग्रंथ सूची / List of Reference Books

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. राजभाषा हिंदी – भोलानाथ तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिध्दांत और प्रयोग - डॉ. दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका – कैलाशनाथ पांडेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5. www.htpps://Wikipedia.org/wiki
6. www.cstt.nic.in
7. www.rajbhasha.nic.in
8. www.google.com/Top/world/Hindi

<u>प्रश्न पत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

प्रश्न 1. बहुविकल्पी 6 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)

प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)

प्रश्न 3. टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)

प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 30

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **B. A. – II (Hindi), Semester - IV** **Vertical :** SEC - 2 **Course Code: G03** **Course Name:** Hindi **Title of Paper: समाचार लेखन**	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 30 Hours, 02 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June - 2025	***Examination Scheme** **UA:-** 30 Marks **CA:-** 20 Marks

प्रस्तावना / Preamble:-

समाचारों को ही समाचार पत्र कहते हैं। समाचार को अंग्रेजी में न्यूज कहा जाता है जिसमें हमेशा नया कुछ ना कुछ समाज को प्राप्त होता है। समाचार किसी अनोखी या असाधारण घटना की अविलंब सूचना को कहते है। जिसके बारे में समाज या लोग पहले कूछ जानते नहीं किंतु जानने का कुतूहल उनमें निर्माण होता है। समाचार लेखन एक कला है। जिसके लिए समय, ज्ञान, जिज्ञासा तथा लेखन प्रणाली का ज्ञान होना चाहिए। भूमंडलीकरण के कारण आज पूरे विश्व को मुठ्ठी में करने की ताकद मीडिया लेखन ने अपने हाथ में ली है। अत: शिक्षा क्षेत्र भी इसके लिए पीछे नहीं रहा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने 2020 को जैसे ही कदम रखा तो छात्रों को नोकरी के बजाय स्वयं का ज्ञान एवं कला को विकसित करने का अवसर प्राप्त कर दिया है। समाचार लेखन एक कला होने के कारण छात्र उसे अवगत कर आगे बढेगें और अपना अस्तित्व निर्माण करने के लिए पहल करेगें।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course Objective

1. समाचार लेखन को समझाना।
2. समाचार लेखन के उद्देश्य एवं गुणों से अवगत कराना।
3. समाचार के प्रकारों को समझाना।
4. समाचार लेखन के प्रति छात्रों में रुचि निर्माण कराना।

पाठ्यक्रम सिखने के परिणाम / Course out comes

1. समाचार लेखन प्रक्रिया को समझेंगे।
2. समाचार लेखन के उद्देश्य एवं गुणों से अवगत होगे।
3. समाचार के प्रकरों से अवगत होगे।
4. समाचार लेखन के प्रति छात्रों में रूचि निर्माण होगी।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. समाचार लेखन प्रात्यक्षिक

अध्ययनार्थ विषय:- **बल / Weightage**

इकाई – I समाचारः सैधांतिक विवेचन **Credit – 1 Lectures – 15**

Marks - 15

1. समाचारः स्वरुप, अर्थ एवं परिभाषा
2. समाचार लेखन प्रक्रिया
3. समाचार लेखन के तत्व
4. समाचारों का वर्गीकरण

इकाई – II समाचार लेखन **Credit – 1 Lectures – 15**

Marks - 15

1. समारोह या उत्सव का समाचार लेखन
2. राजनीतिक घटनाओं पर समाचार लेखन
3. क्रिडा और शिक्षा क्षेत्र से संबंधित समाचार लेखन
4. सामाजिक विषयों को लेकर समाचार लेखन

संदर्भ ग्रंथ:-

1. पत्रकारिता के सिद्धांत, डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, नमन प्रकाशन, दिल्ली.
2. पत्रकारिता प्रशिक्षण एवं प्रेस विधी, डॉ. सुजाता वर्मा, आशीष प्रकाशन, कानपुर
3. हिंदी पत्रकारिता उदभव & विश्वास, रचना भोला यामिनी, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली.

<u>प्रश्न पत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

प्रश्न 1. बहुविकल्पी 6 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)

प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)

प्रश्न 3. टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)

प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुलअंक = 30

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **B. A.– II (Hindi), Semester - IV** **Vertical:**AEC-L2 **Course Code: G03** (-------) **Course Name:** Hindi **Title of Paper: आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी**

***Teaching Scheme** **Lectures: 3**0 Hours, 02 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June – 2024	***Examination Scheme** **UA: -**30 Marks **CA: -**20 Marks

प्रस्तावना / Preamble

किसी भी भाषा की संरचना में शब्द रचना, वाक्य रचना, क्रिया आदि का स्थान महत्त्वपूर्ण होता है**।** हिंदी भाषा में शब्दों की रचना वर्णों**,** शब्दांशों**,** और उपसर्गों के संयोजन से होती है। हिंदी भाषा में वाक्यों की रचना विषय**,** क्रिया और वस्तु के आधार पर होती है। **साथ ही** क्रियाएँ वाक्यों की रचना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हिंदी भाषा में शब्दों के अर्थ**,** उनके प्रयोग और संदर्भ के आधार पर निर्धारित होते हैं। वाक्यों में शब्दों का प्रयोग उनके अर्थ और संदर्भ के आधार पर किया जाता है। हिंदी भाषा की शब्दावली समय के साथ विकसित हुई है**,** जिसमें नए शब्द जोड़े जाते हैं और पुराने शब्दों के अर्थ बदलते हैं। हिंदी साहित्य भारतीय सांस्कृतिक धरोहर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। साहित्य**,** शिक्षा और ज्ञान के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हिंदी साहित्य भारतीय सांस्कृतिक धरोहर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / (Objective of the Course)

1. छात्रों को हिंदी भाषा के व्याकरण**,** शब्दावली और लेखन शैली का ज्ञान प्रदान करना।
2. हिंदी व्याकरण के मूल तत्वों**,** जैसे कि वर्णमाला**,** शब्द रचना**,** वाक्य रचना का अध्ययन करना।
3. छात्रों को हिंदी साहित्य का परिचय प्रदान करना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / (Course Outcome)

1. छात्र हिंदी भाषा के व्याकरण**,** शब्दावली और लेखन शैली का ज्ञान प्राप्त करते हैं।
2. हिंदी व्याकरण के मूल तत्वों**,** जैसे कि वर्णमाला**,** शब्द रचना**,** वाक्य रचना से परिचित होते हैं।
3. छात्र हिंदी साहित्य सेपरिचित होते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया : (Teaching Learning Process)

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. गृह स्वाध्याय

अध्यनार्थ विषय:- **Weight age / बल**

इकाई - 1 हिंदी संरचना **Credit-1 Lecture-15**

Marks - 15

1. मानक वर्तनी के नियम
2. वाक्य रचना, शब्द रचना
3. लिंग एवं लिंग परिवर्तन के नियम

इकाई - 2 हिदी पद्य और गद्य **Credit-1 Lecture-15**

Marks – 15

1. भिक्षुक – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (काव्य)
2. हिजड़े – कृष्णमोहन झा (काव्य)
3. ईश्वरीय न्याय – प्रेमचंद (कहानी)

संदर्भ ग्रंथ :-

1. हिंदी व्याकरण - डॉ. रामविलास शर्मा
2. हिंदी व्याकरण की मूल बातें - डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी व्याकरण का विस्तृत अध्ययन - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
4. हिंदी वाक्य रचना - डॉ. रामविलास शर्मा
5. हिंदी वाक्य रचना की मूल बातें - डॉ. भोलानाथ तिवारी
6. हिंदी वाक्य रचना का विस्तृत अध्ययन - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
7. हिंदी कविता का इतिहास - डॉ. रामविलास शर्मा
8. हिंदी गद्य साहित्य का इतिहास - डॉ. रामविलास शर्मा
9. हिंदी गद्य साहित्य का विस्तृत अध्ययन - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
10. हिंदी साहित्य के प्रमुख लेखक - डॉ. रामविलास शर्मा
11. हिंदी साहित्य के प्रमुख कवि - डॉ. भोलानाथ तिवारी
12. https://www.hindwi.org/kavita/eunuch/hijde-krishnamohan-jha-kavita?sort

प्रश्न पत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

प्रश्न 1. बहुविकल्पी 6 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)

प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)

प्रश्न 3. टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)

प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 30

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **B. A.– II (Hindi), Semester - IV** **Vertical :** CEP **Course Code: G03** **Course Name:** Hindi **Title of Paper: सामाजिक प्रतिबद्धता**

***Teaching Scheme** **Lectures: 3**0 Hours, 02 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June – 2024	***Examination Scheme** **UA:-** 00 Marks **CA:- 5**0 Marks

Common All humanites Faculty Sillybus